9 अध्याय

अफ्रीका महाद्वीप

इस अध्याय में आप सीखेंगे कि:

- अफ्रीका महाद्वीप का परिचय एवं उसकी भौगोलिक, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति किस प्रकार है।
- अफ्रीका महाद्वीप के प्रमुख अभिलक्षण कौन-कौन से हैं।

परिचय (Introduction)

अफ्रीका विश्व का द्वितीय सबसे बडा महाद्वीप (एशिया के बाद) है जिसे 'अन्ध महाद्वीप' (Dark Continent) भी कहते है क्योकि शेष विश्व से इसका बहुत बडा भाग दूर रहा है। अफ्रीका पठारो का महाद्वीप है। अफ्रीका सभी महाद्वीप में सबसे अधिक उष्ण है। यह विश्व का एकमात्र महाद्वीप है जिससे होकर भूमध्य रेखा कर्क रेखा और मकर रेखा गुजरती है। यह यूरोप के दक्षिण एवं एशिया के दक्षिण पश्चिम में अवस्थित है। यह एक मात्र महाद्वीप है जिसके क्षेत्र का विस्तार चारो गोलार्द्धो में पड़ता है और यहाँ के ज्यादातर देश कर्क रेखा में अवस्थित है। यह एशिया से स्वेज जलसंधि से जुडा हुआ है एव यूरेशिया से तीन जगहो पर अलग होता है तथा जिब्राल्टर जलसंधि स्वेज नहर एवं बाबा अत मंदेब जलसंधि

भौतिकी भूगोल (Physical Geography)

सागर, समुद्र, चैनल, जलसन्धि

सागर—अफ्रीका महाद्वीप के पूर्व में हिन्द महासागर और पश्चिम मे अटलांटिक महासागर है।

समुद्र—अफ्रीका के उत्तर में भूमध्य सागर है जो अफ्रीका को यूरोप से अलग करता है।

अफ्रीका के उत्तर पूर्व में लाल सागर है जो अफ्रीका को एशिया से अलग करता है।

अफ्रीका के पूर्व में अरब सागर है।

ध्यातव्य हो कि

मोरक्कों, अल्जीरिया, ट्यूनिशिया, लीबिया और मिस्र भूमध्य सागर से संलग्नित देश हैं। मिस्र, सूडान, अरीट्रिया एवं जिबूली लाल सागर से संलग्नित देश हैं। मोजाम्बिक चैनल, मोजाम्बिक और मेडागास्कर के मध्य अवस्थित हैं।

चैनल—मोजाम्बिक चैनल मोजाम्बिक देश के पूर्व में अवस्थित है।

जलसन्धि—जलसन्धि दो जलराशियों को जोड़ती है।

जलसन्धियां

जिब्राल्टर जलसंधि—ये भूमध्य सागर को अटलांटिक महासागर से जोड़ती है और यूरोप को अफ्रीका से अलग करती है। इस भूमध्य सागर की कुंजी कहते है।

बाब.अल मंडेब की स्ट्रेट—यह लाल सागर को अरब सागर से जोड़ती है।

महत्वपूर्ण खाड़ी

- गेब्स की खाड़ी
- गेब्स की खाड़ी
- सिर्टे की खाड़ी
- अदन की खाड़ी
- गिनी की खाड़ी

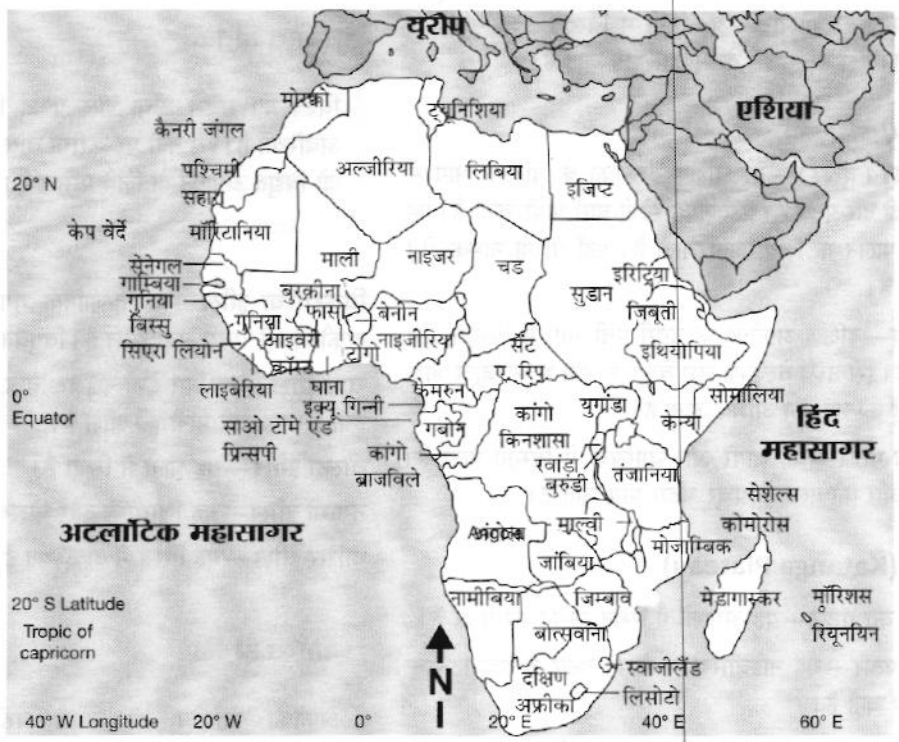

चित्र 9.1: अफ्रीका महाद्वीप

तालिका 9.1: हिन्द और अटलांटिक सागर के द्वीप

हिंद महासागर के द्वीप	अटलांटिक महासागर के द्वीप
पेम्बा I	अज़ोरेस डे
जंजीबिन I	मादेइरा
माफिया I	पीटचटकी
प्रोविडेंस I	केप वर्दे
अल्डबरा I	अरेंसिओं
सेशेल्स I	सेंट हेलेना
कोमोरोस I	साओ पैर की अंगुली
मेडागास केरी	(यह अफ्रीका महाद्वीप का सबसे बडा द्वीप है)

पर्वत और पठार (Mountain & Plateau)

पर्वत

1. पर्वत श्रेणी

(i) **एटलस माउंटेन रेंज**—इसका विस्तार यूरोप तक है। यह इस महाद्वीप का वलित पर्वत है इस पर्वत श्रेणी का विस्तार मोरक्को अल्जीरिया और ट्यूनीशिया तक है।

(ii) **डार्कजेनबेरी पर्वत**—दक्षिण अफ्रीका के दक्षिण पूर्वी भाग में विस्तृत वलित पर्वत को ड्रेकेन्सवर्ग पर्वत कहते है।

2. पर्वत श्रेणी

(i) **किलिमंजारो पर्वत**—यह तंजानिया में स्थित, अफ्रीका महाद्वीप का सबसे ऊँचा पवर्त है। यह एक ज्वालामुखी पर्वत है।

(ii) **माउण्ट केन्या**—ये केन्या में स्थित ज्वालामुखी पर्वत है। विषुवत रेखा इससे होकर गुजरती है।

(iii) **एल्गान पर्वत**—केन्या मे स्थित ज्वाला मुखी पर्वत है।

(iv) **रूवनजारो पर्वत**—यह युगाण्डा एवं जायरे के मध्य स्थित एक भ्रंश पर्वत है। इस चन्द्र पर्वत भी कहा जाता है।

(v) **यूथोपिया पर्वत**—यह यूथोपिया मे स्थित ज्वालामुखी उच्च भूमि है।

(vi) **दारफूर पर्वत**—उत्तरी सूडान में स्थित उच्च भूमि क्षेत्र है यहाँ खनिज तेल के भण्डार पाये जाते है।

(vii) **तिबस्ती पर्वत**—यह लिबिया व चाड में विस्तृत उच्च भूमि क्षेत्र है।

(viii) **हॉगर पर्वत**—यह दक्षिणी अल्जीरिया में विस्तृत उच्च भूमि क्षेत्र है। यहाँ खनिज तेल एवं प्राकृतिक गैस के भडार पाये जाते है।

(ix) **फाऊदा जौलान**—यह गिनी में विस्तृत उच्च भूमि क्षेत्र है। यहाँ बाक्साइड के भण्डार पाये जाते है।

पठार (Plateau)

1. **कारू प्रदेश (पठार)**—यह दक्षिण अफ्रीका के दक्षिणी भाग में विस्तृत सीढी दार पठार है। यहाँ शुष्क स्टेपी घासे पायी जाती है। यह प्रदेश भेड़ पालन के लिये जाना जाता है। यहाँ मेरिनो नामक भेड़ पायी जाती है।
2. **वेल्ड प्रदेश**—दक्षिण अफ्रीका के उत्तरी पूर्वी भाग में विस्तृत ऊँच भूमि क्षेत्र है। इसे उच्च वेल्ड या बुश बेल्ड के नाम से भी जाता जाता है। यहाँ गेहूँ का उत्पादन अधिक होता है।
3. **कटंगा का पठार**—यह जायरे और जाम्बिया में विस्तृत पठार है। यहाँ तांबा और कोबाल्ट के प्रचुर भंडार पाये जाते है।

कटंगा पठार (Katanga Plateau)

1. **बीया बाइ का पठार**—यह अंगालो मे स्थित गुम्बदाकर पठार है।
2. **जोस का पठार**—यह नाइजीरिया मे स्थित पठार है यहाँ टिन के भण्डार पाये जाते है।
3. **कैमरून का पठार**—कैमरून मे स्थित यह अफ्रीका का एक मात्र सक्रिय ज्वालामुखी पर्वत है।

देश और राजधानी (Countries and Capitals)

तालिका 9.2: देश और राजधानी

देश	राजधानी
मोरक्को	रबात
अल्जीरिया	अल्जीयर्स
ट्यूनीशिया	ट्यूनिश
लीबिया	हून (खिपोली)
मिस्र	काहिरा
पश्चिमी सहारा	एल. आइपुन

मलावी झील/न्यासा झील—यह मलावी, मोजाम्बिक और तंजानिया से घिरी हुई भ्रंश घाटी में स्थित झील है (MMT)

टंगानिका झील—यह जायरे, जाम्बिया, तन्जानिया व बरूण्डी से छिरी हुई भ्रंश घाटी में स्थित झील है, यह भ्रंश घाटी मे स्थित विश्व की दूसरी गहरी झील है।

किबू झील—यह जायरे और रवान्डा के बीच भ्रंश घाटी मे स्थित झील है।

एडवर्ड एव एल्बर्ड झील—यह दोनो युगाण्डा एव जायरे के मध्य भ्रंश घाटी मे स्थित है।

रूडोल्फ झील—यह केन्या मे भ्रंश घाटी मे स्थित झील है।

ध्यातव्य हो कि

विश्व का सबसे ऊँचा जल प्रपात विक्टोरिया, जम्बेजी नदी पर अवस्थित है। इस नदी पर करीबा बांध तथा कोबरा बाध अवस्थित है जो विद्युत उत्पादन के लिये प्रसिद्ध है।

विक्टोरिया झील—यह तन्जानिया युगण्डा एवं केनिया से धिरी हुयी अफ्रीका की सबसे बड़ी झील है। विषुवत रेखा इससे होकर गुजरती है।

चाड झील—यह चार देशो नाइजर, चाड, नाइजीरिया एव कैमरून से धिरी हुयी है। यह खारे पानी की झील है।

वोल्टा झील—यह घाना मे स्थित है।

नगामी झील—यह जिम्बाब्वे और बोत्स्वाना की सीमा पर अवस्थित है।

नासिर झील—यह मिस्त्र मे अवस्थित है।

ध्यातव्य हो कि

अफ्रीका महाद्वीप की सबसे बड़ी झील है—1. विक्टोरिया 2. टंगानिका 3. न्यासा 4. चाड 5. डनासिट है।

नदी (River)

ऑरेंज नदी: यह डेकन्सबर्ग पर्वत से निकलकर द. अटलाटिक महासागर मे गिरती है और यह दक्षिण अफ्रीका व नामीबिया के मध्य प्राकृतिक सीमा बनाती है। यह नदी दक्षिण अफ्रीका मे वेल्ड क्षेत्र से निकलकर हिन्द महासागर मे गिरती है। यह मकर रेखा को दो बार काटती है।

जम—यह कंटगा के पठार से निकलकर मोजाम्बिक चैनल मे जाकर गिरती है। इस नदी पर विश्व का सबसे ऊँचा जल प्रपात (झरना) स्थित है।

कांगों (जायरे) नदी—यह अफ्रीका की दूसरी सबसे बड़ी नदी है जो कटंगा के पठार से निकलकर अटलांटिक महासागर मे गिरती है। यह विषुवत रेखा को दो बार काटती हुई स्टैनरी और लिविंग स्टोन नामक दो जल प्रपातो का निमार्ण करती है। यह नदी विश्व की सबसे अधिक जल विद्युत क्षमता वाली नदी है लेकिन इसमे इसकी कुल क्षमता का केवल 1% ही जल विद्युत पैदा किया जाता है।

नील नदी

- यह विक्टोरिया झील से निकलकर भूमध्य सागर मे गिरती है।
- यह विश्व की सबसे लम्बी नदी है।
- बहर अल अरब, नीली नील और अटबारा इसकी सहायक नदियाँ है।
- यह नासिर झील से होकर गुजरती है।
- इस नदी पर मिस्त्र मे आशवान बाँध अवस्थित है जो अफ्रीका का सबसे ऊँचा बांध है। यह बांध नील नदी के बहाव का नियन्त्र करता है।

- खारतूम (उ. सुडान की राजधानी) सफेद नील और नीली नदी के संगम पर स्थित है।
- सुडान मे नीली नील पर सेन्नार बांध अवस्थित है।

ध्यातव्य हो कि

मिस्त्र की राजधनी काहिरा इसके डेल्टाई क्षेत्र मे स्थित है। मिस्त्र को नील नदी का वरदान कहा जाता है।

सेनेगल नदी—यह गिनी मे फूटा जलान से निकलकर सेनेगेल और मारटानिया के मध्य प्राकृतिक सीमा बनाती हुई अटलांटिक महासागर मे गिरती है।

निजेन नदी—यह गिनी मे फूटा जलान से निकलकर नाईजीरिया मे डेल्टा बनाती हुई गिनी की खाड़ी मे गिरती है इस पर नाइजीरिया मे कैन्जी बांध स्थापित है। नाइजर नदी के किनारे नियामी (नाइजर की राजधनी) और बमाको (माली की राजधनी मे अवस्थित है।)

जलवायु (Climate)

विषुवतीय प्रदेश—अफ्रीका महाद्वीप का विस्तार 37°14 N से 345° S अंक्षाश के मध्य हुआ है। अत: यहाँ का अधिकांश भाग उष्णकटिबंध (Torred Zone) मे फैला है विश्व के सभी महाद्वीपो मे सर्वाधिक उष्णकटिबंधीय परिस्थितियो का विस्तार अफ्रीका महाद्वीप मे ही है। अत: यहाँ लगभग वर्ष भर ऊँचा तापमान रहता है। संसार मे सबसे ऊँचा तापमान 58°C लीबिया के अल-अजीजिया नामक स्थान पर दर्ज किया गया है। विषुवत रेखा के निकट वर्ष भर भारी वर्षा होती है जिससे जलवायु उष्णार्द्र रहती है। इसे विषुवतीयजलवायु कहते है। भीषण गर्मी पड़ने के कारण गर्म हवा ऊपर उठकर फैल जाती है। और संघनित होकर नित्य दोपहर के वर्षा करती है। विषुवतीय जलवायु के कारण इस क्षेत्र मे उष्ण कटिबंधीय या विषुवतीय वर्षा वन मिलते है। अफ्रीका महाद्वीप मे सर्वाधिक वर्षा पश्चिमी कैमरून में होती है। क्षेत्रानुसर गिनी खाड़ी का तटवर्ती भाग एवं मेडागास्कर सर्वाधिक वर्षा प्राप्त करता है।

सवाना या सूडान-तुल्य प्रदेश—वर्षा वन के उत्तर और दक्षिण मे ऐसे प्रदेश है जहाँ ग्रीष्म ऋतु वर्षा ग्रीष्म काल मे होती है। औसल गर्मी तथा वर्षा की कमी के कारण वनस्पति के नाम पर यहाँ ज्यादातर घास ही उगती है। उष्णकटिबंधीय वर्षा वन क्रमश: विरत और कम वृक्षो वाले होते जाते है अन्तत: उनका स्थान घास की भूमि ले लेती है। लंबी ओर मोटी घास के इस क्षेत्र को सवाना कहते है तथा इस प्रकार की जलवायु को सवाना या सूडान तुल्य जलवायु कहते है।

मरूस्थलीय जलवायु प्रदेश—सवाना के उत्तर और दक्षिण, दोनो ही ओर विस्तृत मरूस्थल पाये जाते है। उत्तरी मरूसथल का नाम सहारा है और दक्षिणी मरूस्थल का नाम कालाहारी है। यहाँ की जलवायु बहुत की गर्म और शुष्क है। विश्व के सबसे ऊँचे तापमान इन्ही मरूस्थलों मे दर्ज किये गये है। यहाँ वर्षा नाममात्र की ही होती है। इस प्रकार की उष्ण एवं अत्यधिक शुष्क जलवायु को मरूस्थलीय जलवायु कहते है। इन मरूस्थलो में प्राकृतिक वनस्पति के नाम पर यत्रा-तंत्र केवल कंटीली झाडियाँ, कैक्टस, नागफनी, रपजूर आदि ही मिलते है।

भूमध्य सागरीय जलवायु प्रदेश—अफ्रीका के उत्तरी और दक्षिणी तटीय प्रदेशों में भू मध्य सागरीय जलवायु पायी जाती है। यहाँ वर्षा शीत ऋतु मे होती है और ग्रीष्म ऋतु शुष्क रहती है। इन प्रदेशो में शीत ऋतु न ज्यादा ठंडी होती है और न ही ग्रीष्म ऋतु में ज्यादा गर्मी। अफ्रीका के दक्षिणी और पूर्वी उच्च भूमि प्रदेशो की जलवायु शीतल है।

ध्यातव्य हो कि

अफ्रीका के उष्ण घास के मैदान सवना और शीतोष्ण घास के मैदान बेल्ड्स कहलाते है। कागज बनाने में प्रयुक्त एम्पारटो घास उत्तरी अफ्रीका मे बहुतायत से उगती है।

तालिका 9.3: प्रमुख मरुस्थल

प्रमुख मरूस्थल	विस्तार
सहारा मरूस्थल	मारटानिया, अल्जीरिया, माली, लीबिया
लीबिया मरूस्थल	लीबिया और मिस्त्रा
ओगाइन	सोमालिया
कालाहारी मरूस्थल	बोत्सवाना
नामीबियन मरूस्थल	नामीबिया
पूर्वी मरूस्थल	मिस्त्र
इगुयदी मरूस्थल	मारटानिया और अलजीरिया

स्थानीय पवनें

स्थानीय पवनो में प्रमुख है—सिराको, खमसिन, हरमटटन, हबूब, फेपकाक्टर

सिरक्को—ये सहारा मरूस्थल से यूरोप की तरफ चलने वाली गर्म, शुष्क और धूलभरी पवन है। जब यह भूमध्य सागर को पार करती है तो यह प्रचुर मात्रा में नमी प्राप्त कर लेती है और इटली पहुँच कर वर्षा करती है। चूकि यह अपने साथ लाल धूल उड़ाकर ले जाती है इसलिए इटली मे लाल वर्षा होती है। इसलिये वहाँ के लोग इसे खूनी वर्षा कहते है।

ध्यातव्य हो कि

यह सहारा मरूस्थल से मिस्र की ओर चलने वाली गर्म शुष्क और धूलभरी हवा है। इसे मिस्त्रा मे खमसिन नाम से जाना जाता है।

हरमट्टन—यह सहारा मरूस्थल से गिनी की खाड़ी की ओर गर्म, शुष्क और धूलभरी पवन है जब यह गिनी तट पर पहुचती है तो वहाँ की नमी को सुखा देती है जिससे वहाँ के लोग बीमारी से निजात पा जाते है और वे इसे डाक्टर पवन के नाम से पुकारते है।

हबूब—सूडान से चलने वाली ठण्डी पवन को हबूब कहा जाता है।

केप डाक्टर—दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन प्रान्त मे चलने वाली ठण्डी पवन को केपडाक्टर कहते है।

तालिका 9.4: देशो के पुराने नाम

पुराने नाम	वर्तमान प्रचलित नाम
द. रोडेशिया	जाम्बिया
उ. रोडेशिया	जिम्बाबे
गोल्ड कोस्ट	घाना
आइवरी कोस्ट	कोट द. आइवरी
अपर वोल्टा	बुर्किनाफासो
बेचुआना लैण्ड	बोत्सवाना
बासुतो लैण्ड	स्वाजी लैण्ड
द. पश्चिम अफ्रीका	नामीबिया
यू. ए. आर	आरमिस्त्र
जायरे	D. R. C

लाइबेरिया एव इथियोपिया कभी किसी के उपनिवेश नही बने।

आर्थिक भूगोल

कृषि — स्थानान्तरित कृषि
स्थायी कृषि

स्थानान्तरित कृषि—यह जनजाति समूहो द्वारा घने जंगली प्रदेशो में है। इसमे जंगल के कुछ क्षेत्र को काटकर साफ कर लिया जाता और 3-4 वर्ष तक कृषि कार्य किया जाता है। उसके पश्चात् जब मृदा की उर्वरता समाप्त हो जाती है तो ये उसे छोड़ कर दूसरे स्थान पर चले जाते है। ओर वहाँ भी

ध्यातव्य हो कि

केन्या विश्व मे चाय का द्वितीय बडा निर्यातक है।

ध्यातव्य हो कि

भारत मे सबसे अधिक कहवा कर्नाटक मे पाया जाता है।

इसी प्रकार जंगलो को काटते है और कृषि करते हैं इसे अवैज्ञानिक कृषि भी कहा जाता है क्योकि इससे मृदा अपरदन की समस्या पैदा होती है। इस विश्व में अलग-अलग नाम से जाना जाता है।

अफ्रीका की स्थानान्तरिक कृषि

उ. पश्चिमी अफ्रीका	—	फैंग
पूर्वी अफ्रीका एवं कांगो बेसिन	—	मसोल
मेडागास्कर	—	टैवी

तालिका 9.5: स्थायी कृषि

फसले	उत्पादक देश
कोको	घना (कोको त्रिभुज) नाइजीरिया जायरे, आइवरी कोस्ट ***नोट***—संसार में कोक के कुल व्यापार का 60% हिस्सा अफ्रीका से आता है।
चाय	केन्या, तंन्जानिया, युगाण्डा
कहवा (काफी)	इथोपिया (ये काफी का मूलस्थान है) केन्या, तन्जानिया
रबड	लाइबेरिया, कांगो, गैबन, जायरे
ताडतेल	नाइजीरिया, नाइजर, जायरे
मक्कद.	द.अफ्रीका, जिम्बाम्बे
मूंगफली	नाइजीरिया
कपास	मिस्र, सुडान
गेहूँ	दक्षिण अफ्रीका, जिम्वाम्बे, मिस्र
चावल	मिस्र एव अधीकांश अफ्रीका देश

ध्यातव्य हो कि

तंजानिया के जंजीबार और पेम्बा द्वीपो मे लौंग, इलायची और नारियल भारी मात्रा में उत्पादन किया जाता है।

खनिज

अफ्रीका अनेक बहुमूल्य खनिजों मे बहुत संपन्न है। संसार के देशो मे सोना, हीरा, प्लैटिनम, क्रोनियम और कोबाल्ट के उत्पादन मे अफ्रीका का पहला स्थान है।

तालिका 9.6: खनिज और उनके उत्पादक देश

खनिज	उत्पादक देश
सोना	द. अफ्रीका (जोहन्सबर्ग, विटवाट्स रेडं, प्वाश्वाने)
प्लेटिनम	द. अफ्रीका
हीरा	द. अफ्रीका (किम्बरले), घाना, जायरे, जाम्बिया
मैगनीज	द. अफ्रीका, गैबान
ताँबा एव कोबाल्ट	जायरे एव जाम्बिया
वाक्साइट	गि, घाना
टिन	नाइजीरिया (जोंस का पठार)
फास्फेट	मोरक्को
पेट्रोलियम	नाइजीरिया, अल्जीरिया
प्राकृतिक गैस	लीबिया, मिस्र, उ. सूडान
यूरेनियम	द. अफ्रीका, नामीबिया, बोत्सवाना, घाना

तालिका 9.7: जनजातियाँ

जनजातियाँ	देश
पिग्मी	कांगो बेसिन
मसाइ	केन्या, युगाण्डा, तन्जानिया
तेसा, अचोल	युगाण्डा
हुतु, तुप्सी	रवाण्डा व बुरूण्डी
जुलू	द. अफ्रीका
बोअर	द. अफ्रीका
बुशमेन	बोत्सवाना

अन्य

हार्न आफ अफ्रीका—सोमालिया, इथोपिया, जिबूती, इरीट्रिया

स्थल अवरूद्ध देश—माली, बुरकीना फासो, नाइजर, चाड, द. सुडान, मध्य अफ्रीका, जगराज्य, युगाण्डा, रवाण्डा, बुरूण्डी, मलावी, जाम्बिया, जिम्बाबवे, लेसोथो, स्वाजीलैण्ड।

अफ्रीका के तटीय रेखा

खाद्यान्न तटीय रेखा—सियरा लियोन एवू लाइबेरिया

आइवरी तटीय रेखा—कोट द आइवरी

स्वर्ण तटीय रेखा—घाना

दास तटीय रेखा—नाइजीरिया, टोगो, बेनिन

तालिका 9.8: महत्वपूर्ण तथ्यः झील

देश	झील
• जायरे	(डीआरसी) टंगानिका, कियू, एडवर्ट, अल्बर्ट
• तंजानिया	टंगानिका, मलावी/ न्यासा
• युगाण्डा	एडवर्ट और अल्बर्ट, विक्टोरिया

ध्यातव्य हो कि

क्षेत्रफल के आधार पर अफ्रीका महाद्वीप की शीर्ष झीले—1. विक्टोरिया 2. टंगानिका 3. न्यासा 4. चाड 5. नसीर है।

तालिका 9.9: महत्वपूर्ण तथ्यः झील

झील	सीमा को स्पर्श करने वाले देशों की संख्या	देशों के नाम
• टंगानिका	4	जाम्बिया + जायरे + तंजानिया + बरूण्डी
• चाड	4	चाड + नाइजीरिया + नाइजर + कैमरून
• विक्टोरिया	3	तंजानिया + युगाण्डा + केन्या
• मलावी/ न्यासा	3	मलावी + मोजाम्बिक + तंजानिया
• कियू	2	जायरे + खाण्डा
• एडवर्ट अल्बर्ट	2	युगाण्डा + जायरे
• नगामी	2	जिम्बाम्वे + बोत्सवाना
• वोल्टा	1	घाना
• नासिर	1	मिस्त्र

तालिका 9.10: महत्वपूर्ण तथ्यः नदियाँ

• अटलांटिक महासागर में गिरने वाली नदियाँ	ऑरेंज, जैरे/ कांगो, सेनेगल
• हिन्द महासागर में गिरने वाली नदियाँ	लिम्पोपो
• भूमध्य सागर में गिरने वाली नदियाँ	नील
• मोजाम्बिक चैनल में गिरने वाली नदियाँ	जेम्बेजी
• गिनी की खाड़ी में गिरने वाली नदियाँ	नाइजर

अध्याय सार संग्रह

- अफ्रीका महाद्वीप एकमात्र ऐसा महाद्वीप है, जिसमें 'विषुवत वृत्त' कर्क वृत्त और मकर वृत्त गुजरते है।
- विक्टोरिया झील अफ्रीका की सबसे बड़ी झील है जिसमें से विश्व की सबसे लम्बी 'नील नदी' बहती है।
- अफ्रीका में जलविद्युत उत्पादन की प्रमुख नदी 'जेम्बेजी' है जिस पर स्थित 'विक्टोरिया जलप्रपात' अपनी ऊँचाई के लिए विश्व प्रसिद्ध है।
- तंजानिया के जंजीबार और पेम्बा द्वीपों में लौंग और इलायची प्रचुर मात्रा में पाए जाते है।
- अफ्रीका का सबसे उत्तरी बिन्दु 'एल-घिराम प्वांइट' (ट्युनिशिया) तथा दक्षिणतम बिंदु 'केप अगलुहार्स', पूर्वी बिंदु हैगुन प्वांइट तथा सबसे पश्चिमी बिन्दु केप वेर्ड स्थित एल्मादी प्वाइंट (सेनेगल) है।
- अफ्रीका की कांगो नदी विषुवत रेखा को दो बार काटती है तथा स्टैनली और 'लिविंग स्टोन' जल प्रपातों का निर्माण करती है।
- संसार का सर्वाधिक तापमान 59°C वाला क्षेत्र लीबिया (अलअजीजिया) में है।
- विश्व में हीरा, प्लेटिनम, कोबाल्ट एवं क्रोमियम उत्पादन में अफ्रीका शीर्ष स्थान पर है।
- अल्जीरिया अफ्रीका का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस उत्पादक देश है।
- अफ्रीका महाद्वीप के कालाहारी क्षेत्र में बुशमैन, कांगो बेसिन में पिग्मी, सहारा में बद्दू एवं पूर्वी अफ्रीका में मसाई जनजातियाँ पायी जाती है।
- अफ्रीका के भूमध्यरेखीय झील तन्त्र में टुर्काना, टांगनीका और न्यासा झील सम्मिलित हैं।
- नाइजर नदी को पॉम तेल की नदी के नाम से भी जाना जाता है।
- हॉर्न ऑफ अफ्रीका में सम्मिलित देश 'इथिओपिया, जिबूती, इरीट्रिया और सोमालिया' है।